हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 168 देहरादून, शुक्रवार, 23 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

'नो योर पुलिस स्टेशन' अभियान पूरे प्रदेश में प्रभावी हो : अशोक कुमार, डीजीपी 3

सीएम धामी ने अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, ड्रग्स, साइबर पर किया मंथन

डीजीपी अशोक कुमार ने मुख्यमंत्री को पुलिस की भावी कार्य योजना बताई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 दिसंबर , पुलिस मुख्यालय में आयोजित उत्तराखंड पुलिस मंथन-समाधान एवं चुनौतियां पुलिस सप्ताह का शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा किया गया। पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर मुख्यमंत्री को पुलिस गार्द के द्वारा सलामी देकर अभिवादन किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड अशोक कुमार द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, ड्रग्स, साइबर एवं यातायात जैसे विभिन्न विषयों पर पुलिस की भावी कार्य योजना से माननीय मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। साथ ही बताया कि इस वर्ष चारधाम यात्रा में आये लगभग 47 लाख एवं कांवड यात्रा में 04 करोड़ श्रद्धालुओं की यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराया गया।

इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा उत्तराखंड पुलिस के जनता से संवाद (पब्लिक इंटरेक्शन) के साथ-साथ पुलिस के जवानों से भी संवाद (वर्टिकल इंटरेक्शन) करने की नई पहल का स्वागत किया गया। उन्होंने आज के युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस को फिटनेस एवं परसेप्शन मैनेजमेंट पर भी फोकस करने की विशेष आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने राज्य के समस्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस मंथन कार्यक्रम के दौरान आप सभी विभिन्न विषयों पर मंथन करके भविष्य की ऐसी योजना बनाएं जो उत्तराखंड पुलिस को माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन (स्मार्ट एवं सशक्त पुलिसिंग) बनाने में सहायक बने।

उन्होंने अपराध नियंत्रण के अंतर्गत इनामी व वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए शुरू किए गए विशेष अभियानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु अभियानों की नियमित समीक्षा आवश्यक है। विशेष बल देते हुए कहा कि अपराधियों द्वारा अवैध रूप से अर्जित अवैध संपत्ति को जब्त किया जाए। ताकि अपराधियों में पुलिस का डर बना रहे। उन्होनें कहा कि उत्तराखण्ड एक पर्यटन आधारित राज्य है जिसे हम सबको मिलकर क्राइम फ्री, ड्रग्स फ्री बनाना है। ताकि राज्य में पर्यटन पर आने वाले पर्यटक खुद को सुरक्षित महसूस कर सके। उन्होंने कहा कि पुलिस के बडी जिम्मेंदारी है, कि देवभूमि का स्वरूप न बिगड़े इसके लिए पुलिस को लगातार कार्य कर सजग रहने की आवश्यकता है। जघन्य अपराधों की बेहतर पैरवी हेतु विशेष अभियोजन अधिकारी की नियुक्ति की जाए, जिससे अभियुक्तों को बेल न मिल सके और सजा दर में वृद्धि बढ़े। सीनियर्स को अधिनस्थों के साथ सम्मान से पेश आना चाहिए ताकि वे स्वेच्छा से बेहतर प्रदर्शन करें। आप सभी वरिष्ठ अधिकारी हैं। आप अपने अधीनस्थों के साथ सम्मान के साथ व्यवहार करें, जिससे कि वे स्वेच्छा से बेहतर प्रदर्शन करें।

मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि राज्य सरकार की सरलीकरण की नीति के क्रम में महिला सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखते हुए गौरा शक्ति योजना को महिलाओं की सुविधा एवं सुरक्षा हेतु डिजिटाइज किया गया है। जिसके अंतर्गत रजिस्ट्रेशन कराने वाली 45,216 महिलाओं से महिला पुलिसकर्मी संपर्क में रहकर तत्काल मदद कर उनकी शिकायत का समाधान करें, ताकि महिलाओं में सुरक्षा का भाव जागृत हो। इस योजना को लगातार आगे बढ़ाया जाने की आवश्यकता है।उन्होंने जोर देकर कहा कि अपराधियों के विरुद्ध कड़ी एवं सख्त कार्यवाही की जाए। डेमोग्राफिक चौलेंज के दृष्टिगत विशेष सत्यापन अभियान निरंतर चलाने की आदेश दिए। वर्ष-2025 तक ड्रग्स फ्री देवभूमि बनाने के लिए उत्तराखंड पुलिस से युद्ध स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिये। राज्य में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु इंटेलिजेंस कर्मियों को प्रोएक्टिव होकर कार्य करना आवश्यक है। जिलों में नियुक्त अधिकारियों को लीडर के रूप में कार्य कर त्वरित निर्णय लेकर समस्या का समाधान करने के निर्देश भी दिये गये। इसके अतिरिक्त उन्होंने समस्त पुलिस अधिकारियों को सिटीजन सैनट्रिक एप्रोच के साथ कार्य करने को प्रेरित किया। उन्होंने अपराध नियंत्रण एंव अन्य विषयों पर साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाए।

उन्होंने विशेष तौर पर बताया कि वर्ष-2023 में पुलिस विभाग में लगभग 1,000 कॉन्स्टेबल के पदों पर भर्ती की जाएगी। वर्तमान में प्रचलित 1521 पुलिस कांस्टेबल भर्ती प्रक्रिया के पूर्ण होने तक पुलिस विभाग को 1521 पी0आर0डी0 जवानों द्वारा अस्थाई सेवा भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्वतीय क्षेत्रों में साइबर अपराध को रोकने के लिए महिला थाने के रूप में कार्य कर रहे श्रीनगर एवं अल्मोड़ा महिला थाना, अब साइबर थाने का भी कार्य करेंगे। पुलिस विभाग को संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि जवानों की आवासीय सुविधा एवं भवन निर्माण के लिए बजट बढ़ाया जाएगा तथा वाहन खरीद प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह, राधा रतूड़ी, अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी पी0वी0के0 प्रसाद, अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन अभिनव कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक पुलिस दूरसंचार अमित कुमार सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था डॉ0 वी0 मुरुगेशन, पुलिस महानिरीक्षक, अभिसूचना एवं सुरक्षा- ए पी अंशुमान, पुलिस महानिरीक्षक, पी/एम- विम्मी सचदेवा, पुलिस महानिरीक्षक, एससीआरबी/महा समादेष्टा होमगार्ड व सिविल डिफेन्स-केवल खुराना, पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी विमला गुंज्याल, पुलिस महानिरीक्षक, एसडीआरएफ- रिधिम अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक, फायर- नीरू गर्ग सहित सहित समस्त फील्ड अधिकारी (जनपद प्रभारी, सेनानायक, शाखा एवं इकाई प्रभारी) परिक्षेत्र प्रभारी, प्रधानाचार्य एटीसी/पीटीसी, एसटीएफ, जीआरपी, सीआईडी, अभिसूचना एवं पुलिस मुख्यालय के समस्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मिलित हुए।

पैक्स के मजबूतीकरण और जीवंत बनाने के लिए योजना तैयार करने के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 दिसम्बर,मुख्य सचिव डॉ.एस.एस. संधु की अध्यक्षता में कृषि अवसंरचनात्मक कोष की राज्य स्तरीय निगरानी समिति की बैठक संपन्न हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को इस योजना को बढ़ावा दिए जाने के निर्देश देते हुए पैक्स के मजबूतीकरण और जीवंत बनाने के लिए योजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों को प्राथमिकता पर रखा जाए। अच्छा काम कर रहे पैक्स को कुछ न कुछ इंसेंटिव दिया जाए ताकि वे और अच्छा करने को प्रेरित हों।

उन्होंने कहा कि पैक्स के लिए ट्रेनिंग मॉड्यूल भी विकसित किया जाए। इसके लिए पोर्टल तैयार किया जाए। साथ ही ऑफलाइन पेनड्राइव आदि के माध्यम से सभी प्रकार की ट्रेनिंग मैटेरियल उपलब्ध कराया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के लिए नाबार्ड द्वारा पूर्व से स्वीकृत 785 करोड़ रुपए प्रयोग करने हेतु शीघ्र प्रस्ताव तैयार किए जाएं। साथ ही नाबार्ड के माध्यम इस योजना में 2000 करोड़ रुपए तक का 1 प्रतिशत पर लोन लिया जा सकता है। इससे अधिक से अधिक प्रयोग किया जाना चाहिए।इसके उपरांत मुख्य सचिव ने सहकारिता विभाग के तहत विभिन्न फटिंलाइजर्स, मिनी बैंक और कृषि गतिविधियों के लिए निरीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी ऑडिट की व्यवस्था भी इसके लिए सुनिश्चित की जाए। साथ ही इसमें भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कॉपरेटिव सोसायटी और बैंकों में जिला स्तरीय अधिकारियों को भी शामिल किया जाए। सहकारी क्षेत्र में डाटा सेंटर अलग से तैयार करने के बजाय राज्य सरकार के डाटा सेंटर को ही प्रयोग किया जाए।इस अवसर पर सचिव बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सर्दी से निपटने के लिए देहरादून जिला प्रशासन ने कस ली कमर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आने की उम्मीद के साथ देहरादून जिला प्रशासन अब कड़ाके की सर्दी से निपटने के लिए कदम उठा रहा है।जिले भर में 70 से अधिक स्थानों की पहचान की गई है जहां सार्वजनिक अलाव जलाए जा रहे हैं, जबकि सभी 11 'रैन बसेरे' (रैन बसेरे) अब जनता के लिए खुले हैं। अधिकारियों ने कहा कि देहरादून में बेघरों की आबादी अधिक नहीं है लेकिन यात्रियों, प्रवासियों, गरीब लोगों आदि को कभी-कभी सर्दियों के महीनों में परेशानी होती है।

इसके अलावा, कामकाजी वर्ग के लोग भी हैं जिन्हें रात में गर्म रहने में मदद की ज़रूरत है।शहर में कई जगहों पर अलाव जलाए जा रहे हैं। शहरी इलाकों में, निगम और पालिका 'रैन बसेरा' चला रहे हैं, जबकि तहसीलें ग्रामीण क्षेत्रों में आश्रय गृहों को संभाल रही हैं। हमें पहले से ही अच्छी संख्या में लोग मिल रहे हैं, जो इसका लाभ उठा रहे हैं।इ सुविधाओं और संख्या को दैनिक आधार पर संकलित किया जा रहा है। इनपुट के आधार पर, यदि आवश्यकता पड़ी, तो अधिक अलाव स्थापित किए जाएंगे, ₹आपदा प्रबंधन अधिकारी दीपशिखा भट्ट ने कहा।उन्होंने यह भी कहा कि आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष को लोगों से गर्म कपड़ों और कभी-कभी भोजन की आवश्यकता के लिए भी कॉल आ रहे हैं, जिन्हें संबोधित किया जा रहा है।देहरादून शहर में जाखन, आईएसबीटी, प्रिंस चौक, रेलवे स्टेशन, कनक चौक, घंटाघर, मसूरी डायवर्जन, दून अस्पताल सहित अन्य जगहों पर ये प्रावधान हैं।

कितना खतरनाक है ओमिक्रोन का सब-वेरिएंट BF.7

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 दिसंबर , भारत में एक बार फिर कोरोना ने डराना शुरू कर दिया है। विनाशकारी हालात तो बने हैं चीन में लेकिन उसका असर दिखने लगा है भारतीय सरकार और राज्यों की अलर्ट गतिविधियों में जहां बार फिर कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है। संक्रमण में हालिया उछाल ओमिक्रोन के BF.7 सब-वेरिएंट की वजह से बताया जा रहा है। हालांकि BF.7 पहले भी सुर्खियां बना चुका है। BF.7 ने अक्टूबर में उन वेरिएंट्स को बदलना शुरू किया था जो उस समय संयुक्त राज्य अमेरिका और कई यूरोपीय देशों में प्रभावी थे।

हम BF.7 के बारे में क्या जानते हैं ?

BF.7 वायरस का पूरा नाम BF.7 BA.5.2.1.7 है। यह BA.5 का सब-वेरिएंट है। दरअसल वायरस खुद से ही अलग-अलग वेरिएंट बनाते रहते हैं। BA.5 कोविड-19 के वेरिएंट ओमिक्रोन का सब-वेरिएंट था। इस महीने की शुरुआत में 'सेल होस्ट एंड माइक्रोब' जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया है कि BF.7 सब-वैरिएंट ओरिजनल D614G वेरिएंट की तुलना में 4.4 गुना अधिक न्यूट्रलाइजेशन

रेजिस्टेंस है। एक हाई न्यूट्रलाइजेशन रेजिस्टेंस वेरिएंट का मतलब है कि वह किसी आबादी में तेजी से फैल सकता है और आसानी से नए वेरिएंट भी बना सकता है।

क्या भारत में भी आ चुका है BF.7 ?

इस साल की शुरुआत में आए लहर में ओमिक्रोन के BA.1 और BA.2 सब-वेरिएंट मिले थे। बाद में BA.4 और BA.5 भी आए। हालांकि इन दोनों ने यूरोपीय देशों में अधिक तबाही मचाई। इसी प्रकार भारत में BF.7 के बहुत कम मामले देखे गए।भारत के National SARS-CoV-2 Genome Sequencing Network के आंकड़ों के अनुसार, BA.5 वेरिएंट नवंबर में केवल 2.5% मामलों के लिए जिम्मेदार था। वर्तमान में एक रिकॉम्बिनेंट वेरिएंट XBB भारत में सबसे आम वेरिएंट है। नवंबर में आए कुल मामलों में से 65.6% इसी से जुड़े थे।

हिंदुस्तानी परिवार को पसंद है किश्तों की खरीददारी, पढ़िए आंकड़े

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 दिसंबर , देश में लोग शॉपिंग करने के लिए ईएमआई (EMI) ज्यादा पसंद कर रहे हैं। नकद रुपये, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड या यूपीआई की जगह लोग ईएमआई कार्ड (Indians Prefer Shopping By Taking Loan) का इस्तेमाल करना पसंद कर रहे हैं। एक सर्वे में ये बात सामने आई है। मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक, होम क्रेडिट इंडिया (Home Credit India) की सालाना कंज्यूमर स्टडी 'हाऊ इंडिया बारोज' में यह बात सामने आई है।

यह सर्वे (Survey) हाउ इंडिया बॉरोज़ 2022, मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, लखनऊ, पटना और रांची सहित 16 शहरों में किया गया है। सर्वे के मुताबिक, यह पता चला है कि भारत में 50% से अधिक लोग खरीदारी के लिए ईएमआई कार्ड या किसी क्रेडिट कार्ड का उपयोग तुरंत भुगतान करने के बजाय करना पसंद करते हैं। बता दें कि ईएमआई (EMI) एक मासिक किस्त है। इसमें किसी भी समान को खरीदने पर उसका पूरा पेमेंट मासिक किस्तों में किया जाता है।

16 शहरों में किए गए इस सर्वे में 18 से 55 वर्ष के बीच के 1,500 ऐसे कर्जदारों को शामिल किया गया, जिनकी औसत आय 30,000 रुपये प्रति माह

थी। सर्वेक्षण से पता चला कि 1500 लोगों में से 50% से अधिक ने खरीदारी या अन्य क्रेडिट उद्देश्यों के लिए ईएमआई कार्ड को प्राथमिकता दी। सर्वेक्षण 'तेजी से विकसित होने वाले उपभोक्ता उधार व्यवहार' पर केंद्रित था। इसमें देखा गया कि सर्वे में शामिल 75% से भी ज्यादा लोग कर्ज लेने को लेकर काफी सहज हैं।

उन्होंने कंज्यूमर ड्यूरेबल्स या शॉपिंग के अलावा बिजनेस संबंधी जरूरतों या होम रेनोवेशन के लिए भी कर्ज लिया है। 60% से ज्यादा लोग इंटरनेट बैंकिंग के बजाय मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से कर्ज लेने में ज्यादा सुविधा महसूस करते हैं। इसमें बड़ी संख्या इंदौर, जयपुर, सूरत जैसे टियर 2 शहर के युवाओं की है। सर्वे में शामिल 60% क्रेडिट ग्राहकों ने एम्बेडेड फाइनेंस में दिलचस्पी दिखाई। इनका कहना है कि इससे ई-कॉमर्स की शॉपिंग को आसान ईएमआई में बदला जा सकता है। इसे चुकाने में सहूलियत होती है।

एक सर्वे में शामिल 50% से ज्यादा लोग शॉपिंग के लिए ईएमआई कार्ड का इस्तेमाल पसंद कर रहे हैं। क्रेडिट कार्ड 25% और बाय नाऊ पे लेटर (बीएनपीएल) 10% लोगों की पसंद है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कर्जदार बेंगलुरु (82%), पटना (74%), लखनऊ (69%), लुधियाना (68%) और जयपुर (68%) जैसे शहरों में फैले हुए हैं।

Free WiFi कितना सुरक्षित है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 दिसंबर , अगर आप अपने घर में Wi-Fi इस्तेमाल कर रहे हैं तो वो बेहद सुरक्षित है। इसके साथ ही अगर आप किसी भी रिश्तेदार, मित्र या जान पहचान वाले के घर में जाकर उसका Wi-Fi इस्तेमाल करते हैं तब भी वो सुरक्षित है। लेकिन जब बात पब्लिक Wi-Fi की आती है तो इसे पूरी तरह सुरक्षित नहीं कहा जा सकता। बाज़ार, मॉल, पार्क या किसी भी अन्य स्थान पर सार्वजनिक वाई फाई हमेशा सुरक्षित नहीं रहता।

किसी भी सार्वजनिक स्थान पर मिलने वाला फ्री वाई फाई को कोई ना कोई कंपनी ही प्रदान करती है। ऐसे में जब आप उस वाई फाई को इस्तेमाल करने के लिए अपना पंजीकरण (registration) करते हैं तो तभी आपका नंबर,मेल आदि उस कंपनी के पास जाता है। अब इस जानकारी को कंपनी आगे बाज़ार में बेच भी सकती है। ऐसे में साइबर अपराधी इस जानकारी का दुरुपयोग भी कर सकते हैं।

बैंक अकाउंट हो सकता है खाली

सार्वजनिक स्थानों पर मिलने वाले फ्री वाई फाई का इस्तेमाल करते हुए अक्सर लोग डिजिटल लेन देन भी शुरू कर देते हैं। लेकिन यही उनके लिए सेल्फ गोल बन जाता है। दरअसल हैकर्स इसी चीज़ का इंतज़ार कर रहे होते हैं, कि लोग आए और अपने उस wifi का इस्तेमाल कर अपने

फोन से लेन देन शुरू करें ताकि वो उन्हें अपना शिकार कर सकें। लोग अक्सर अपने फोन का रिचार्ज, बिजली-पानी का बिल, किसी को पेमेंट करना आदि काम उस वाई फाई पर कर देते हैं। इसी दौरान हैकर्स उन्हें चूना लगा कर, उनका बैंक अकाउंट खाली कर देते हैं।

क्या सावधानी रखें

सबसे पहले तो फ्री वाई फाई को इस्तेमाल करते हुए उसके नियम और शर्तों को ध्यान से पढ़ लें।डिजिटल लेन देन ना ही करें तो बेहतर है क्योंकि इससे उन्हें आपके बैंक खातें तक पहुँचने में और भी आसानी हो जाती है।इसके साथ ही लंबे समय तक फ्री में मिलने वाले वाई फाई का इस्तेमाल ना करें क्योंकि इससे खतरा ज्यादा बढ़ सकता है।

‘नो योर पुलिस स्टेशन’ अभियान पूरे प्रदेश में प्रभावी हो : अशोक कुमार, डीजीपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 दिसंबर , पुलिस मुख्यालय में आयोजित ‘उत्तराखंड पुलिस मंथन-समाधान एवं चुनौतियां’ पुलिस सप्ताह के द्वितीय सत्र में विभिन्न पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड, अशोक कुमार द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान विभिन्न जनपदों से विस्तृत विचार-विमर्श व चर्चा की गई। कुमांयू परिक्षेत्र के डी0आई0जी0 डॉ0 नीलेश आनन्द भरणें द्वारा विभिन्न विषयों पर केन्द्रित अपने प्रस्तुतीकरण में बताया कि क्राइम मीटिंग को पूरी तरह ऑनलाईन व पेपरलेस करते हुए स्मार्ट पुलिसिंग के तहत स्मार्ट ऑफिस की शुरूआत की गई है। कुमांऊ परिक्षेत्र में प्रत्येक थाने के कार्यों का आंकलन हेतु 14 बिन्दुओं पर थानें व कार्मिकों की रैंकिंग निर्धारित करने की शुरूआत की गई। जनसमस्याओं के त्वरित एवं सुगम समाधान के लिए माह के प्रथम एवं अंतिम शनिवार को थाना दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

नैनीताल में पार्किंग व्यवस्था हेतु क्यू आर कोड की नई पहल से व्यवस्थित पार्किंग में सुविधा हुई है। मॉल रोड नैनीताल में सेल्फ बेलेंसिंग स्कूटर -सिगवे’ से भीड़-भाड़ वाले पर्यटक स्थलों में निगरानी व गश्त की शुरूआत की गई। दुर्घटना/आपातकालीन स्थिति में वाहन मालिक की पहचान हेतु वाहनों में स्टीकर लगाने की शुरूआत की गई। नो योर पोलिस स्टेशन अभियान के पोस्टर में समस्त आपातकालीन नम्बरों को आकर्षक रूप से दर्शाकर जागरूकता अभियान चलाया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार अजय सिंह ने अपने प्रस्तुतीकरण की शुरूआत हरिद्वार के डेमोग्राफिक मानचित्र के साथ की। उन्होंनें बताया कि हरिद्वार में नशा कारोबार के संवेदनशील ईलाकों को चिन्हित कर चौपाल लगाकर जागरूकता का कार्य युद्धस्तर पर प्रारम्भ किया गया है। प्रत्येक थाने में नशा पीडित एवं ड्रग पैडलर के लिए पृथक रजिस्टर की शुरूआत कर एन0डी0पी0एस0 एक्ट में 27 अभियुक्तों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। ग्रामीण क्षेत्र में कच्ची शराब के ठिकानों पर ड्रोन के माध्यम से प्रभावी कारवाई की गई है। अपराध अनावरण में हरिद्वार को सी0सी0टी0वी0 की मैपिंग से प्रभावी सफलता मिली है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड पुलिस एप के अन्तर्गत सभी ऑफलाईन शिकायतों को डिजिटाईज करने की योजना सामने रखी। ड्रग्स की चैकिंग एवं रोकथाम के लिए हैण्ड हैल्ड डिवाईस एवं ड्रग कन्ट्रोलर उपलब्ध कराये जाने पर विशेष जोर दिया।

उत्तरकाशी के पुलिस अधीक्षक अपर्ण यदुवंशी ने बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान यमुनोत्री क्षेत्र में घोडे-खच्चरों के लिए प्रारम्भ की गई टोकन व्यवस्था के परिणाम सकारात्मक रहे। इसके अतिरिक्त नशे की रोकथाम हेतु उत्तरकाशी पुलिस द्वारा युद्धस्तर पर विशेष अभियान ‘उदयन-जागृत युवा,जागृत समाज, सशक्त राष्ट्र’ शुरू किया गया जिसमें प्रशासन के सहयोग से दो मनोचिकित्सक युवाओं का काउंसलिंग में सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। उन्होंनें बताया कि नशे के विरूद्ध स्कूलों के पी0टी0आई0 को ड्रग वारियर भी बनाया गया है। प्रथम दिवस के द्वितीय सेशन को समाहित करते हुए पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड अशोक कुमार द्वारा कुमांऊ परिक्षेत्र द्वारा शुरू किये गये ‘नो योर पुलिस स्टेशन’ अभियान को राज्य के समस्त थानों में क्रियान्वित करने के निर्देश दिये गये। हरिद्वार पुलिस की सी0सी0टी0वी0 गूगल मैपिंग योजना को प्रभावशाली बताते हुए अन्य जनपदों को भी इस सम्बन्ध में त्वरित कारवाई करने को कहा। उन्होंनें पुलिस अधिकारियों को सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु एन0एच0ए0आई0 एवं परिवहन विभाग के

साथ संयुक्त सर्वे कर सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित निर्णय लेने को कहा। उन्होंनें विशेष जोर देते हुए एन0डी0पी0सी0 एक्ट में हिस्ट्रीशीटर पर गैंगेस्टर लगाने हेतु निर्देशित किया। उत्तरकाशी के ‘उदयन अभियान’ की सराहना करते हुए अन्य जनपदों को भी अपनी टीम में मनोचिकित्सक शामिल करने का सुझाव दिया।

इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी पी0वी0के0 प्रसाद, अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन अभिनव कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक पुलिस दूरसंचार अमित कुमार सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था डॉ0 वी0 मुरुगेशन, पुलिस महानिरीक्षक, अभिसूचना एवं सुरक्षा- ए पी अंशुमान, पुलिस महानिरीक्षक, पी/एम- विम्मी सचदेवा, पुलिस महानिरीक्षक, एससीआरबी/महा समादेष्टा होमगार्ड व सिविल डिफेन्स- केवल खुराना, पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी श्रीमती विमला गुंज्याल, पुलिस महानिरीक्षक, एसडीआरएफ- श्रीमती रिधिम अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक, फायर- नीरू गर्ग सहित सहित समस्त फील्ड अधिकारी (जनपद प्रभारी, सेनानायक, शाखा एवं इकाई प्रभारी) परिक्षेत्र प्रभारी, प्रधानाचार्य एटीसी/पीटीसी, एसटीएफ, जीआरपी, सीआईडी, अभिसूचना एवं पुलिस मुख्यालय के समस्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मिलित हुए।

पुरानी परिपाटी को छोड़ महिलाओं के हित में नए तरीकों से काम कर रहा है महिला आयोग : रेखा शर्मा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 दिसंबर , देहरादून में राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से उत्तराखंड राज्य महिला आयोग के सहयोग द्वारा वर्ष 2022 की तृतीय संवादात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न राज्यों से महिला आयोग की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, आयोग के सदस्य तथा सदस्य सचिव उपस्थित रहे । एनसीडब्ल्यू द्वारा क्वार्टरली मीटिंग विभिन्न विभिन्न राज्यों में आयोजित की जाती है।

राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित इस बैठक में कई अहम बिंदुओं पर चर्चा गई।आयोग द्वारा उक्त बैठक में महिलाओं के कौशल विकास को बढ़ाने को लेकर, ट्रांसजेंडर की स्तिथि को समझने व उनके लिए बेहतर व्यवस्था को लेकर, वेश्यावृत्ति से उबर कर आई पीड़िताओं की दुर्दशा को समझकर उनके लिए स्वाधार गृह और पीड़िता के लिए हम क्या कर सकते हैं, मातृत्व लाभ तथा कैरियर के साथ मातृत्व, जेलो में कैद महिला कैदियों की स्थिति और उनके लिए निशुल्क गुणवत्तापूर्ण कानूनी सहायता हो जैसे महिलाओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।बैठक में एनसीडब्ल्यू द्वारा चलाई जा रही महिलाओं से संबंधित पोषण अभियान को लेकर बैठक में चर्चा हुई।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग देश के सभी राज्यों को पोषण अभियान के तहत आर्थिक रूप से सपोर्ट करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में राष्ट्रीय महिला आयोग महिलाओं को सशक्त बनाए जाने के लिए कई तरह के अभियान चला रही है। इसमें मुख्य रूप से पोषण अभियान के तहत सभी राज्यों में अभियान चलाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त एनसीडब्ल्यू द्वारा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग के तहत सभी राज्यों में ट्रेनिंग दी जा रही है। जिससे मानव तस्करी को रोका जा सके।एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने बताया कि अभी तक महिला आयोग महिलाओं से संबंधित शिकायतों पर ही कार्य कर रही थी। लेकिन पिछले कुछ सालों से महिला आयोग ने अपनी पुरानी परिपाटी को बदल दिया है।

लिहाजा, अब महिला आयोग महिलाओं से संबंधित सभी क्षेत्रों- जिसमें मुख्य रूप से महिला हेल्थ, महिला एजुकेशन, महिलाओं की स्किल डेवलपमेंट, महिलाओं के फाइनेंशियल इंप्रूवमेंट, पॉलिटिकल इंप्रूवमेंट को कर काम कर रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि इन बिंदुओं पर राष्ट्रीय महिला आयोग और क्या बेहतर कर सकती है? इसको लेकर ही बैठक की जा रही हैं। इसमें सभी राज्यों से सुझाव भी मांगे गयें हैं ताकि महिला सशक्तिकरण अभियान के तहत महिलाओं को आर्थिक और राजनैतिक रूप में और मजबूत किया जा सके।उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा तृतीय संवादात्मक बैठक का आयोजन हमारे प्रदेश में किया गया। उन्होंने कहा कि उक्त बैठक में महिलाओं के हित में जिन बिंदुओं पर भी जो भी सुझाव एवं निर्णय सामने आएंगे उन्हें सभी राज्यों के महिला आयोग उनकी मोनिटरिंग करते हुए धरातल पर लागू करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही स्वधारगृह खोलने पर काम करेंगे और वैश्यावृत्ति से उबर कर आयी तथा अनेक प्रकार से पीड़ित महिलाओं को रखने के लिए उचित उन्हें समाज मे पुनः स्थापित करने के लिए प्रयास कर रहे है।

उक्त बैठक में मिजोरम, अरुणाचल, कर्नाटक, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, आन्ध्रप्रदेश, केरल, उड़ीसा, दिल्ली आदि प्रदेशों से प्रतिनिधि प्रतिभाग करने पहुँचे जिनमे नींम राज्यों की महिला आयोग की अध्यक्ष हरियाणा से रेनू भाटिया , उड़ीसा से मिनाती बेहरा, कर्नाटक से परमिला, उत्तराखण्ड से कुसुम कण्डवाल, सदस्य सचिव कामिनी गुप्ता, अधिवक्ता दयाराम सिंह, नेहा सिंह, सृष्टि भी बैठक में उपस्थित रही।

सावधान ! ऑनलाइन गेम के चक्कर में बेटे ने बाप को कंगाल बना दिया

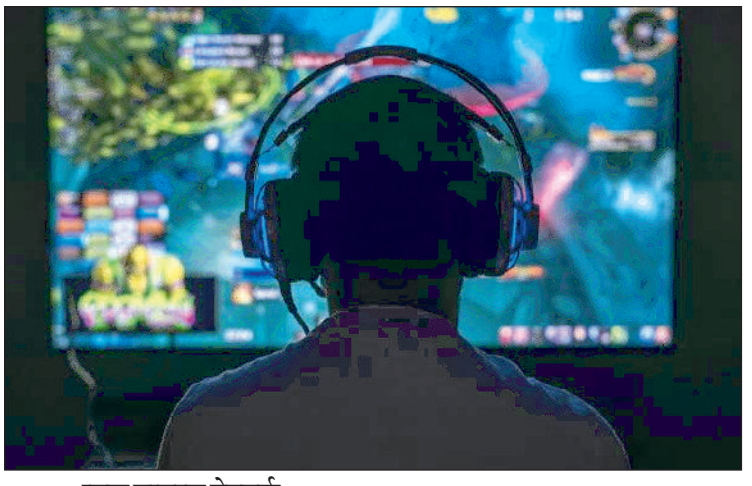

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 दिसंबर , एक किसान के बेटे ने 95 लाख रुपए ऑनलाइन गेम में गवा दिए. ये पैसे किसान को सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि के मुआवजे के रूप में मिला था. आपकों बता दें तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. यहां इस घटना के बाद से श्रीनिवास रेड्डी का परिवार कंगाल हो गया है.क्योंकि उनके छोटे बेटे ने अपने मोबाइल फोन पर ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान पूरे पैसे गंवा दिए.जानकारी के अनुसार शाहबाद मंडल के सीतारामपुर में श्रीनिवास रेड्डी की 10 एकड़ जमीन हाल ही में सरकार द्वारा तेलंगाना स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (टीएसआईआईसी) के लिए अधिग्रहित की गई थी.उन्हें 10.5 लाख रुपए प्रति एकड़ की दर से 1.05 करोड़ रूपए का मुआवजा मिला था।

जमीन खरीदने के लिए किसान ने दे रखा था एडवांस

इस पैसे से वह हैदराबाद के बाहरी इलाके शमशाबाद मंडल के मल्लापुर में आधा एकड़ जमीन खरीदना चाहते थे. इस पैसे में उन्होंने 70 लाख रुपए का एग्रीमेंट किया था और 20 लाख रुपए एडवांस के तौर पर चुकाए थे.

किसान के बेटे ऑनलाइन कैसीनो में लगाए थे पैसे

किसान के बेटे ने “किंग 567” ऑनलाइन कैसीनो में रुपए लगाकर जुआ खेला था. जानकारी के अनुसार किसान ने अपने बेटे को बैंक एकाउंट दे रखा था. किसान के बेटे यह एकाउंट “गुगल पे” और “फोन पे” से जोड़ रखा था. धीरे धीरे उसने पूरा पैसा यही से उड़ा दिया.

किसान ने साइबर सेल में मामला कराया दर्ज

श्रीनिवास रेड्डी ने साइबर क्राइम पुलिस के सामने पूरा मामला दर्ज कराया है. साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. आपको बता दें श्रीनिवास रेड्डी के छोटे बेटे हर्षवर्धन रेड्डी हैदराबाद के निज़ाम कॉलेज में प्रथम वर्ष के छात्र हैं.

बूस्टर डोज लगाने के लिए अभियान चलाया जाए : मुख्यमंत्री

सभी जनपदों में कन्ट्रोल रूम सक्रिय किये जाएं : डॉ आर राजेश कुमार , सचिव स्वास्थ्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि कोविड-19 पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य में बूस्टर डोज लगवाने का अभियान चलाया जाए। बूस्टर डोज लगवाने के लिए कल से ही कैम्प लगाना शुरू करें। जनपदों में बूस्टर डोज के लिए कैम्प लगाए जाएं। सभी जनपदों में कंट्रोल रूम सक्रिय किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड के जो भी नये मामले आयेंगे, उनकी जीनोम सिक्वेंसिंग भी कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि बूस्टर डोज लगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाए। इसका विभिन्न माध्यमों से व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार भी किया जाए। उन्होंने मुख्य सचिव को कोविड की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड बूस्टर डोज की जितनी आवश्यकता है, शीघ्र केन्द्र सरकार को डिमांड भेजी जाए। सभी आवश्यक संसाधनों की पूर्ण उपलब्धता रखी जाए।

कोविड पर प्रभावी नियंत्रण के लिए मुख्यमंत्री ने सचिवालय में ली बैठक

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बैठक में वर्चुअल प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि बूस्टर डोज पर सबसे अधिक ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा की राज्य में कोविड की प्रथम एवं द्वितीय डोज लगभग शत प्रतिशत लोगों को लग चुकी है। बूस्टर डोज के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, डीजीपी अशोक कुमार, सचिव रंजीत सिन्हा, डॉ. आर. राजेश कुमार, विनोद कुमार सुमन, अपर सचिव अमरदीप कौर एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

शीतलहर से जनमानस के बचाव की हर संभव व्यवस्थाएं हो : डा0 रंजीत कुमार सिन्हा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 दिसंबर , प्रशासन द्वारा शीतलहर से आम जनमानस के बचाव के लिए हर संभव व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है। प्रत्येक जनपद को शीतलहर से बचाव हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाने हेतु 10 लाख रूपये का अतिरिक्त बजट दिया जा रहा है। शीतलहर से जरूरतमंदो के बचाव एवं सहायता हेतु धन की कमी से व्यवस्थाएं बाधित न होने के स्पष्ट निर्देश सचिव आपदा प्रबन्धन डा0 रंजीत कुमार सिन्हा ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को दिए हैं।

सचिव आपदा प्रबन्धन ने राज्य के समस्त जिलाधिकारियों तथा एस0डी0आर0एफ0, वन विभाग, खाद्य आपूर्ति, चिकित्सा, मौसम विभाग, जल संस्थान, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग तथा यूपीसीएल के अधिकारियों के साथ प्रदेश में शीतलहर से आमजन एवं पशुओं के बचाव हेतु तैयारियों की समीक्षा की।सचिव आपदा प्रबन्धन ने जिलाधिकारियों को सभी तहसीलों में अस्थायी रैनबसेरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने, रैन बसेरों में समस्त मूलभूत सुविधाएं बिजली, पेयजल, शौचालय, बिस्तर तथा हीटर की व्यवस्था करने, जिलों में पर्याप्त मात्रा में अलाव जलाने की व्यवस्था, कंबल वितरण, दुर्गम व दूरस्थ क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में राशन आपूर्ति, दवाईयों, पशुओं के चारे, चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।सचिव आपदा प्रबन्धन ने वन निगम को अलाव जलाने हेतु पर्याप्त मात्रा में लकड़ी की आपूर्ति के भी निर्देश दिए।

उन्होंने पीडब्ल्यूडी को बर्फबारी के कारण बन्द होने वाली सड़कों पर पहले से ही आवश्यक उपकरण तथा कार्मिक तैनात करने को कहा। इसके लिए जेसीबी तथा स्नो कटिंग मशीनों व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही लोक निर्माण तथा परिवहन विभाग को सख्त निर्देश दिए गए है कि राज्य में पाले तथा कोहरे के कारण किसी भी प्रकार की दुर्घटना नही होनी चाहिए। इसके लिए पाले को हटाने के लिए नमक एवं चूने का नियमित छिड़काव तथा कोहरे से बचाव हेतु फॉग लाइट व रिफलेक्टर की व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग को स्नो ब्लोवर की आपूर्ति का प्रस्ताव बनाकर जल्द से जल्द शासन को भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सचिव आपदा प्रबन्धन ने सभी जिलाधिकारियों एव उपजिलाधिकारियों को जनपदों में शीतलहर से बचाव की व्यवस्थाओं के निरीक्षण हेतु नियमित रात्रि गश्त के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राज्य में भारी बर्फबारी वाली टैaक रूट बन्द करवाने के भी निर्देश दिए।

सचिव आपदा प्रबन्धन ने यूपीसीएल को शीतलहर एवं बर्फबारी के दौरान दूरस्थ क्षेत्रों में बिजली की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु पर्याप्त मात्रा में स्पेयर पार्टस, डिसेन्ट्रलाइज इन्वेन्टरी तथा कुशल कार्मिक की तैनाती के निर्देश दिए। इस अवसर पर निदेशक मौसम विभाग बिक्रम सिंह, अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलो के जिलाधिकारी उपस्थित थे।

हार्दिक पांड्या के रोहित शर्मा की जगह भारत के ODI, T20I कप्तान होने की संभावना है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारतीय क्रिकेट टीम जल्द ही एक और बड़े बदलाव से गुजरने वाली है क्योंकि हार्दिक पांड्या के एकदिवसीय और टी20ई टीमों के कप्तान के रूप में कार्यभार संभालने की संभावना है। टाइम्स नाउ को पता चला है कि हार्दिक रोहित शर्मा की जगह लेंगे, जिनकी फिटनेस पिछले एक साल से चिंता का विषय रही है। फिटनेस की वजह से रोहित कई मैचों में नहीं खेल पाए हैं और वह बांग्लादेश के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज का भी हिस्सा नहीं हैं।

हार्दिक केवल सफेद गेंद का क्रिकेट खेलते हैं और जून में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से नियमित हैं। हार्दिक ने इस साल की शुरुआत में गुजरात टाइटन्स को आईपीएल खिताब जीतकर अपनी कप्तानी की साख साबित की और टी20ई कप्तानी संभालने की दौड़ में सबसे आगे थे। अब ऐसा लग रहा है कि उन्हें सफेद गेंद वाली टीमों का पूरा प्रभार दिया जा सकता है। पांड्या को इस घटनाक्रम के बारे में सूचित कर दिया गया है और बीसीसीआई यह सुनने का इंतजार कर रहा है कि वह दोनों प्रारूपों में खेल सकते हैं या नहीं।रोहित ने 2021 टी20 विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला शुरू करते हुए टी20ई कप्तान के रूप में पदभार संभाला। उन्होंने दिसंबर 2021 में विराट कोहली की जगह वनडे कप्तान बनाया। वह टेस्ट सीरीज भी नहीं खेल पाए थे।कोहली के पद छोड़ने के बाद रोहित को टेस्ट कप्तानी भी दी गई थी, लेकिन उनकी फिटनेस के मुद्दों ने उन्हें केवल 2 घरेलू टेस्ट मैचों में टीम का नेतृत्व करते देखा। COVID-19 पॉजिटिव टेस्ट के कारण रोहित इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से चूक गए। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान उन्हें अंगूठे में चोट लगी थी और वह मौजूदा टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं।पांड्या ने लिस्ट ए क्रिकेट में कभी भी टीम का नेतृत्व नहीं किया है। उन्होंने 5 T20I में टीम इंडिया को 4 जीत दिलाई है। भारत की सीमित ओवरों की टीमें अगली बार 3 जनवरी को श्रीलंका के खिलाफ मैदान में उतरेंगी और श्रृंखला के लिए टीमों की घोषणा अगले सप्ताह के अंत तक की जाएगी। रोहित की घरेलू सीरीज में वापसी की संभावना है।

डॉ0 आर0 राजेश कुमार ने कोविड-19 के दिशा निर्देश सभी जनपदों के लिए जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 दिसंबर , डॉ० आर० राजेश कुमार, स्वास्थ्य सचिव द्वारा सचिवालय स्थित अपने कार्यालय से प्रदेश में सभी 13 जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के साथ वर्चुअल माध्यम से कोविड-19 तथा उत्तराखंड स्वास्थ्य रोजगार सृजन कार्यक्रम की तैयारी के सम्बंध में समीक्षा की गई।

समीक्षा में सर्वप्रथम 23 दिसंबर को मुख्यमंत्री आवास पर होने वाले कार्यक्रम की सभी जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के साथ समीक्षा की तथा कार्यक्रम के माध्यम से नवनियुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र का वितरण किया जाना है।

इसके उपरांत सचिव स्वास्थ्य द्वारा कोविड- 19 की समीक्षा करते हुए यह बताया कि वर्तमान में विश्व के कई देशों यथा जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका, कोरिया गणराज्य, ब्राजील और चीन में कोविड-19 रोगियों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। कोविड-19 महामारी अभी भी दुनिया भर में एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। कोविड- 19 वायरस के स्वरूप में निरंतर परिवर्तन होता रहता है एवं समय-समय पर नये वेरिएंट एक जन स्वास्थ्य समस्या के रूप में परिलक्षित होते रहते हैं, अतः मौजूदा वेरिएंट की निगरानी करना महत्वपूर्ण है।

इसी क्रम में कोविड-19 के संदिग्ध और पुष्ट मामलों को शीघ्र चिन्हित करने, आइसोलेशन, परीक्षण एवं प्रबंधन हेतु भारत सरकार द्वारा जून 2022 में Operational Guideline for Revised Surveillance Strategy in context of Covid-19 जारी की गाइडलाइन के अनुरूप सभी जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी अपने-अपने जनपदों में कोविड-19 वैरिएंट सम्बंधित बचाव एवं नियंत्रण की तैयारी करना सुनिश्चित करें। साथ ही आम जन से भी यह अपील की है कि किसी भी प्रकार से घबराने की आवश्यकता नहीं है और समय-समय पर सरकार द्वारा दिये जाने वाले दिशानिर्देशों का पालन करें। बैठक में अपर सचिव स्वास्थ्य अमनदीप कौर, डॉ० सरोज नैथानी निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, डॉ० विनीता शाह निदेशक, के साथ विभाग के अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित थे।

चीन सीमा पर गरुड़ कमांडो तैनात, AK-103 मिली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 दिसंबर , भारतीय सेना को और मजबूत बनाने के लिए रूसी मूल की एके-103 असॉल्ट राइफलों से लैस किया गया है.यह राइफल्स भारतीय वायुसेना को सामरिक मोर्चे पर मजबूत करेंगे। भारतीय वायु सेना ने पहले बार LAC (वास्तविक नियंत्रण रेखा) लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक गरुण स्पेशल फोर्स को स्पेशल ऑपरेशन के लिए तैनात किया है. जानकारी के अनुसार भारतीय सेना को और मजबूत बनाने के लिए रूसी मूल की एके-103 असॉल्ट राइफलों से लैस किया गया है.यह राइफल्स भारतीय वायुसेना को सामरिक मोर्चे पर मजबूत करेंगे.इन राइफल्स को प्राप्त करने के लिए भारत ने रूस से करार किया था.इन राइफल्स के लिए भारत और रूस के बीच 300 करोड़ की डील हुई थी. जानकारी के अनुसार यूपी के बागपत में भारतीय वायुसेना के गरुड़ स्पेशल फोर्सेज रेजिमेंट सेंटर में हथियार का प्रदर्शन दिखाया गया है. इन राइफल्स के साथ भारत सामरिक तौर पर अब बहुत मजबूत हो चुका है.

अमेरिकी सिग सॉयर से लैस है गरुड़ फोर्स

वायु सेना एक अधिकारी ने मीडिया को बताया, भारतीय वायुसेना "गरुड़ स्पेशल फोर्स अमेरिकी सिग सॉयर और रूसी मूल की AK-103 असॉल्ट राइफलों सहित नवीनतम हथियारों से लैस है.उन्हें नवीनतम मेड-इन-इंडिया AK-203 असॉल्ट राइफलें भी प्रदान की जाएंगी .

ऑसाल्ट राइफल्स बहुत ही हल्के होते हैं

आपकों बताल दें ऑसाल्ट राइफल्स बहुत ही हल्के होते हैं,इनका वजन 3.6 किलोग्राम का होता है.7.62 मिलीमीटर कैलिबर के 30 राउंड की मैगजीन लगाई जा सकती है.लगभग आठ मिनट के लंबे वीडियो में गरुड़ विशेष बल के जवानों को विभिन्न अभ्यासों में दिखाया गया है.

पाकिस्तान और चीन में पैदा होगा डर

आपकों बता दें भारतीय वायुसेना की तरफ से यह कदम ऐसे वक्त में उठाया गया है, जब पाकिस्तान के साथ-साथ चीन की तरफ से भी रक्षात्मक मोर्चे पर भारत के लिए चुनौतियां पैदा की जा रही है.वायु सेना के अधिकारियों ने एएनआई को बताया, "पूर्वी लद्दाख से लेकर सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश तक चीन की सीमा के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा, जहां वे विशेषज्ञ अभियान चलाएंगे."

राज्य के सभी नव निर्मित पुल भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ चुके : शिव प्रसाद सेमवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 दिसंबर , भोपालपानी क्षेत्र के अंतर्गत धन्याडी पुल के झतिग्रस्त पर उक्रांद ने मौके पर धरना देकर आक्रोश व्यक्त किया। आपको यहाँ बता दें कि सन 2018 मे धन्याडी पुल का निर्माण हुआ था, निर्माण के एक वर्ष बाद पुल की एप्रोच रोड़ धस गयी थी, जिसकी गुणवत्ता पर दल की ओर से सवाल सरकार व विभाग से किया तथा सरकार पर पुलों के निर्माण पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

एक बार फिर यह पुल धस गया था, जिससे पुल पर वाहनों की आवजाही बंद कर दी गयी थी, लेकिन रात्रि को पुल की पूरी एप्रोच रोड़ पूरी तरह से टूट गयी। दल के द्वारा धरना देते हुए मिडिया प्रभारी शिव प्रसाद सेमवाल ने कहाँ कि एक यही पुल नहीं राज्य के सभी नव निर्मित पुल भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ चुके हो। धन्याडी पुल की एप्रोच रोड़ का गिरना स्पष्ट हैं कि विभाग से लेकर, भाजपा के नेता जो ठेकेदार बन गये हैं, साथ ही साथ 2018 के तात्कालिक मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने खुलमखुला कमीशन खायी हैं।

दल के उपाध्यक्ष सुनील ध्यानी ने कहाँ कि उत्तराखंड मे पूर्ववर्ति व वर्तमान मे जो भाजपानित सरकार हैं भ्रष्टाचार के आकंठ मे डूबे हैं। उन्होंने कहाँ कि पुल के निर्माण मे हुई लापरवाही के लिए ठेकेदार से लेकर विभाग के जिम्मेदार अधिकारीयों पर कड़ी कार्यवाही करें। दल के महानगर अध्यक्ष बिजेंद्र रावत ने केवल यही नहीं बल्कि सभी पुलों के गुणवत्ता तथा तकनिकी जाँच कमेठी सरकार अविलम्ब बनाये तथा किसी भी प्रकार के लापरवाही को दल कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। इस अवसर पर धरने मे पंकज पोखरियाल, अनमोल सक्सेना, अभिषेक, अनुज चौधरी, वीर सिंह रावत आदि थे।

सुशील राठी बने अखिल भारतीय असंगठित कामगार एवं0 कर्मचारी कांग्रेस का उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अखिल भारतीय असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस (KKC) द्वारा उत्तराखंड में पूर्व असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस कमेटी को भंग करते हुए पूर्व राज्य मंत्री/पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, उत्तराखंड किसान कांग्रेस कमेटी, सुशील राठी को उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने सुशील राठी को पदभार ग्रहण करने पर अपनी बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की।इस मौके प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि सुशील राठी द्वारा प्रदेश जो असंगठित कामगार/कर्मचारी/मजदूरों जो उत्तराखंड प्रदेश में भाजपा सरकार से आहत हैं उनकी आवाज को बुलंद तरीके से उठाने का किया जाएगा एवं भाजपा सरकार को उनके झूठे वादे का आईना दिखाए जाने का काम किया जाएगा।प्रदेश प्रभारी सुशील राठी ने बताया कि शीघ्र ही असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस कमेटी द्वारा उत्तराखंड प्रदेश में मजबूत कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा एवं प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कार्य किया जाएगा।इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी, महामंत्री संगठन विजय सारस्वत, प्रदेश प्रवक्ता गरिमा माहरा दसौनी, महामंत्री नवीन जोशी, महानगर अध्यक्ष जसविंदर सिंह गोगी, वीरेन्द्र पोखरियाल, मानवेन्द्र सिंह, अमन कुमार, सुरेश पटेल, टिकम सिंह,अजय दास, महाराज, सोमपाल, डॉ0 संदीप कुमार, दिनेश कुमार, रिजवान खान, मसरूफ चौधरी, फिरोज खान, कुलवन्त सिंह, शकील मंसूरी, सुर्या प्रकाश भट्ट आदि उपस्थित रहे।

क्या आप जानते हैं उम्र के हिसाब से शरीर में खून की मात्रा कितनी होनी चाहिए ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 23 दिसंबर , आपकी सेहत से जुडी हमारी ये खबर ध्यान से पढियेगा क्योंकि ये समस्या आजकल ज्यादार लोगों के बीच सामान्य तौर पर देखी जा रही है। मामला आपकी धमनियों में बहते लहू से जुडी है जहाँ खून में हीमोग्लोबिन सही होगा तो दिमाग से लेकर दिल तक और पूरा शरीर शरीर में सुचारू रूप से काम करेगा। हीमोग्लोबिन की कमी से कई तरह की समस्याएं हो जाती हैं। अत्यधिक कमी भी मृत्यु का कारण बन सकती है। इसलिए शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बनाए रखना बहुत जरूरी है।

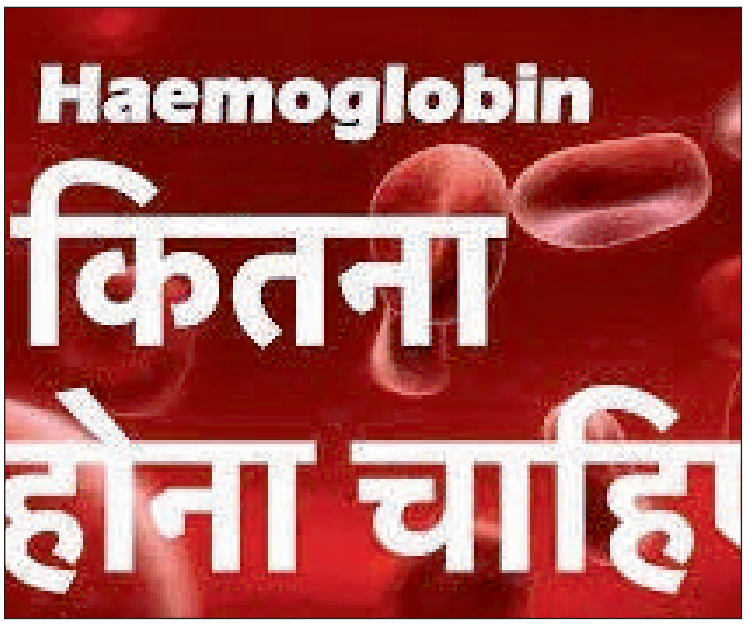

सामान्य हीमोग्लोबिन कितना होना चाहिए ?

पुरुषों और महिलाओं के हीमोग्लोबिन का स्तर अलग-अलग होता है। आमतौर पर पुरुषों में हीमोग्लोबिन (What are hemoglobin levels?) का सामान्य स्तर 13.5-17.5 ग्राम प्रति डेसीलीटर होता है। महिलाओं में यदि यह स्तर 12.0-15.5 ग्राम प्रति डेसीलीटर हो तो हीमोग्लोबिन की मात्रा सामान्य मानी जाती है।

खून की कमी के संकेत –

तेज चक्कर आनात्वचा का पीला पड़नात्वचा का सफेद दिखनासांस लेने में दिक्कत होनाजीभ, नाखूनों के अंदर सफेदीकमजोरी, थकान महसूस होनाचेहरे या पैरों पर सूजन दिखाई देनासिरदर्द होना और ये समस्या बढ़नादिल की धड़कन का असामान्य महसूस करना

उम्र के अनुसार सामान्य हीमोग्लोबिन का स्तर

नवजातः 14-24 g/dL0-2 सप्ताहः 12-20 g/dL2-6 महीनेः 10-17 g/dL6 महीने-1 सालः 9.5-14 g/dL1-6 सालः 9.5-14 g/dL6-18 वर्षः 10-15.5 g/dLवयस्क पुरुषः 14-18 g/dLवयस्क महिलाएंः 12-16 g/dLगर्भवती लोगः >11 g/dL

आईएमडी ने उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में घने कोहरे, ठंडे दिन की स्थिति की भविष्यवाणी की है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले कुछ दिनों के दौरान उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में घने कोहरे और ठंडे दिन की स्थिति की भविष्यवाणी करते हुए बुधवार को येलो अलर्ट जारी किया।

अलर्ट के अनुसार, ₹21 और 22 दिसंबर को उत्तराखंड के मैदानी इलाकों, खासकर उधमसिंह नगर और हरिद्वार जिलों के कुछ हिस्सों में मध्यम से घना कोहरा छाने की संभावना है।

इसके अलावा, अगले 48 घंटों के दौरान उधम सिंह नगर और हरिद्वार जिलों के कुछ हिस्सों में कोल्ड डे की स्थिति रहने की संभावना है, मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा, ₹राज्य के कुछ हिस्सों में सुबह और रात के समय भी धुंध रहने की संभावना है।₹ इस बीच, मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य और पहाड़ी इलाकों में सामान्य से अधिक रहा। देहरादून में बुधवार को तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 24.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

योग्य कुंवारों ने निकाला ऐसा मार्च कि आप भी कहेंगे 'वाह'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कई कुंवारे, शादी की पोशाक में, घोड़ों की सवारी करते हुए और बैंड संगीत के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और अपने लिए दुल्हन की मांग की। विषम पुरुष-महिला अनुपात के मुद्दे को उठाते हुए, पात्र अविवाहितों ने महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में अपने लिए दुल्हन की तलाश में एक मार्च निकाला।एक संगठन द्वारा 'दुल्हन मोर्चा' का आयोजन किया गया था, जिसने बाद में महाराष्ट्र में पुरुष-महिला अनुपात में सुधार के लिए प्री-कंसेप्शन एंड प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स (PCPNDT) एक्ट को सख्ती से लागू करने की मांग करते हुए जिला कलेक्टर के कार्यालय को एक ज्ञापन सौंपा। .ज्ञापन में राज्य सरकार से मार्च में भाग लेने वाले योग्य कुंवारे लोगों के लिए दुल्हन की व्यवस्था करने के लिए भी कहा गया है।शादी की पोशाक पहने, घोड़ों पर सवार और बैंड बाजे के साथ कई कुंवारे लोग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और अपने लिए दुल्हन की मांग की. ज्योति क्रांति परिषद के संस्थापक रमेश बारस्कर ने कहा, ₹लोग इस मोर्चे का मज़ाक उड़ा सकते हैं, लेकिन गंभीर वास्तविकता यह है कि विवाह योग्य युवाओं को सिर्फ इसलिए दुल्हन नहीं मिल रही है क्योंकि राज्य में पुरुष-महिला अनुपात विषम है।उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र का लिंगानुपात प्रति 1,000 लड़कों पर 889 लड़कियों का है। बारस्कर ने दावा किया, ₹यह असमानता कन्या भ्रूण हत्या के कारण मौजूद है और सरकार इस असमानता के लिए जिम्मेदार है।₹

जाने क्रिसमस के बारे में कुछ रोचक तथ्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जैसे-जैसे वर्ष समाप्त होने की ओर बढ़ रहा है, दुनिया भर में लाखों लोग जगमगाती सजावट, रंगीन रोशनी, स्वादिष्ट भोजन, आनंदमय संगीत और रोमांचक उपहारों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हाँ... क्योंकि क्रिसमस आ रहा है ! लेकिन आप इस सुपर-मजेदार छुट्टी के बारे में कितना जानते हैं? क्रिसमस के बारे में हमारे तथ्यों में पता लगाने का समय आ गया है ...1) क्रिसमस एक ईसाई त्योहार है जो ईसा मसीह के जन्म का जश्न मनाता है, जिन्हें ईसाई मानते हैं कि वे ईश्वर के पुत्र थे।

ज्यादातर लोगों के लिए, यह हर साल 25 दिसंबर को होता है - जिस दिन रोमन कैथोलिक चर्च ने यीशु के जन्मदिन को चिह्नित करने के लिए चुना था। लेकिन, वास्तव में, कोई भी वास्तव में यीशु के जन्म की सही तारीख को नहीं जानता है !2) क्या आप जानते हैं कि सभी ईसाई एक ही दिन क्रिसमस नहीं मनाते हैं? रूस, यूक्रेन और रोमानिया जैसे रूढ़िवादी ईसाइयों की बड़ी आबादी वाले देशों में, क्रिसमस दिवस 7 जनवरी को पड़ता है।3) 'क्रिसमस' नाम पुराने अंग्रेजी वाक्यांश क्रिस्टेस मैसे से आया है, जिसका अर्थ है 'क्राइस्ट्स मास'। लेकिन 'क्रिसमस' का क्या? बहुत से लोग सोचते हैं कि यह केवल एक आधुनिक समय का संक्षिप्त नाम है - लेकिन यह वास्तव में 16वीं शताब्दी का है ! कहा जाता है कि 'X' ग्रीक अक्षर 'ची' का प्रतिनिधित्व करता है - मसीह के लिए ग्रीक शब्द का पहला अक्षर, Χριστός (उच्चारण 'क्रिस्टोस')।4) हम क्रिसमस के बारे में बड़ी दाढ़ी वाले, रसीले गालों वाले जॉली मैन का जिक्र किए बिना बात नहीं कर सकते ... फादर क्रिसमस ! लेकिन क्या आपने सोचा है कि उनका नाम सांता क्लॉज कैसे पड़ा? यह सिंटरक्लास से है, जिसका अर्थ डच में संत निकोलस है, जो नीदरलैंड की भाषा है। सेंट निकोलस एक ईसाई बिशप थे जो चौथी शताब्दी में रहते थे - दयालु और उदार होने के लिए जाने जाते थे, वे बाद में बच्चों के संरक्षक संत बन गए।5) विक्टोरियन ब्रिटेन में क्रिसमस ट्री भी लोकप्रिय हुए। लेकिन ये पहली बार 16वीं सदी के जर्मनी में देखे गए थे, जहां क्रिसमस के समय लोगों ने देवदार के पेड़ों को फलों और मेवों से सजाया था - और बाद में मिठाइयों, कागज़ के आकार और मोमबत्तियों से। आश्चर्यजनक रूप से, इतिहासकारों को लगता है कि इस उत्सव की परंपरा की उत्पत्ति रोमन और प्राचीन मिस्र के लोगों के लिए हो सकती है, जो सदाबहार पौधों और मालाओं को हमेशा के लिए जीवन के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल करते थे।

संपादकीय

धरती के लिए जैव-विविधता आवश्यक

कनाडा के मांट्रियल में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जैव-विविधता सम्मेलन में वैश्विक जैव-विविधता कार्ययोजना पर सहमति स्वागतयोग्य एवं महत्वपूर्ण परिघटना है. इसके तहत चार लक्ष्य तथा 23 योजनाओं को निर्धारित किया गया है. इन्हें 2030 तक हासिल करने का संकल्प लिया गया है. हमारे लिए इस बात को समझना आवश्यक है कि पृथ्वी पर जीवन को पनपाने तथा आगे बढ़ाने में सबसे अधिक और अहम भूमिका जैव-विविधता की ही मानी जाती है. हमें यह भी जानकारी होनी चाहिए कि मनुष्य जीव श्रृंखला में बहुत बाद में आया तथा मांसाहारी जीव भी बाद में अस्तित्व में आये. जीवन को लाने में आधारभूत भूमिका पेड़-पौधों ने निभायी है. समूचा जीवन चक्र पेड़-पौधों के इर्द-गिर्द ही घूमता था. मनुष्य भी कभी जंगलों में ही वास करता था. आज जब हम धरती पर जलवायु परिवर्तन, तापमान में बढ़ोतरी जैसी बेहद गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, तब यह बहुत जरूरी हो जाता है कि हम ठोस पहलकदमी करें. इस तथ्य से हम सब परिचित हैं कि जब से कथित औद्योगिक क्रांति आयी है, तब से उसने दुनिया के लगभग आधे जंगलों को लील लिया है. धरती के बढ़ते तापमान तथा प्रकृति का जो लगातार दोहन किया जा रहा है, उससे हम बहुत बड़ी संख्या में विभिन्न प्रजातियों को नष्ट कर चुके हैं, वे चाहे छोटे पौधे हों, वृक्ष हों, या समुद्र में पाये जाने वाले तमाम तरह के जलचर हों. तो यह सब मसले इसी बात के चारों ओर घूमते हैं कि हमारी जैव-विविधता पर भारी संकट आ गया है. उपलब्ध आंकड़े और अध्ययन तो यही इंगित करते हैं कि एक लाख से अधिक प्रजातियों को हमने खो दिया है. उससे भी बड़ी बात यह है कि दस लाख से अधिक प्रजातियों पर किसी-न-किसी प्रकार का खतरा मंडरा रहा है. यह भी जानकर आश्चर्य हो सकता है कि अभी तक हमारे पास जो जानकारी है, वह धरती पर वास कर रहे केवल एक-तिहाई जीवन की है. अभी तक तो यह शोध ही नहीं हो पाया है कि धरती पर कितने तरह के जीवन अस्तित्व में हैं. जब यह स्थिति है कि जिनकी जानकारी हमारे पास है, उनमें से हमने इतना बड़ा हिस्सा खो दिया है, तो बाकी कितने प्रकार के जीवन को खो दिया गया होगा, इसका आकलन लगा पाना संभव नहीं है. जब जानकारी ही नहीं होगी, तो पता भी नहीं चलेगा. इसलिए जैव-विविधता पर बातचीत होना, इसके लिए समुचित कोष स्थापित करना और योजनाएं बनाना मुझे एक प्रभावी कदम लगता है. लेकिन इसी के साथ यह सवाल भी सामने रखा जाना चाहिए कि हमने पहले इसी से संदर्भित कितने तरह के संरक्षण उद्यान बनाये, अभ्यारण्य बने, कार्यक्रम लागू हुए, उन सबका क्या परिणाम रहा है.

जनपद में अलाव जलाने हेतु 164 स्थान चिन्हित : युगल किशोर पन्त , डीएम यूएस नगर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 23 दिसम्बर 2022- प्रशासन द्वारा शीतलहर से आम जनमानस के बचाव के लिए हर संभव व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है। प्रत्येक जनपद को शीतलहर से बचाव हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाने हेतु 10 लाख रूपये का अतिरिक्त बजट दिया जा रहा है। जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने बताया कि जनपद में अलाव जलाने हेतु 164 स्थान चिन्हित हैं आवश्यकतानुसार 28 स्थानों पर अलाव जलाये जा रहे हैं, आवश्यकतानुसार सभी चिन्हित स्थानों पर अलाव जलाये जायेंगे, जिसके लिए सभी नगर निकायों में अधिशासी अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने बताया कि जनपद में 16 रेन बसेरे हैं, जिनमें 182 बैड की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक तहसील स्तर पर 200 बिलंकेट व गद्दों की व्यवस्था करने के साथ ही तहसीलों को 50000 से लेकर 60000 रूपये तक की अतिरिक्त धनराशि बिलंकेट हेतु आवंटित की गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि पिछले दो दिन से जनपद में कोहरा आने के साथ ही सर्दी में भी इज़ाहा हुआ है। उन्होंने बताया कि सर्दी बढ़ने पर आवश्यकतानुसार स्कूलों की टाइमिंग में भी परिवर्तन किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने बताया कि परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया है कि कोहरे को देखते हुए वाहनों में रिफलेक्टर लगवाने हेतु इन्फोर्समेन्ट कार्य में तेजी लाई जाये ताकि कोहरे के कारण कोई भी वाहन दुर्घटना न हो सके।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में पशु चिकित्सा हेतु 4 मोबाइल वैन जोकि रूद्रपुर, काशीपुर, बाज़पुर तथा सितारगंज में तैनात है। उन्होंने बताया कि पशु एम्बुलेंस सहायता हेतु 1962 नम्बर पर सम्पर्क किया जा सकता है।वीसी के पश्चात जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ बैठक ली। बैठक में जिलाधिकारी ने निराश्रित पशुओं के लिए गौशाला निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को दिये। जिलाधिकारी ने पशु शरणालय हेतु प्रस्ताव बनाने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिये।

जिलाधिकारी ने स्वायल टैस्टिंग मोबाइल वैन संचालन हेतु प्रस्ताव तैयार करने, फसलों को ड्राई करने, ग्रेडिंग पैकिंग आदि की व्यवस्था हेतु कार्य योजना तैयार करने के निर्देश मुख्य कृषि अधिकारी को दिये। जिलाधिकारी ने अटरिया रोड फोरलेन बनाने हेतु कार्य योजना तैयार करने के निर्देश अधिशासी अभियंता लोनिवि को दिये। जिलाधिकारी ने तहसील किच्छा में गोला नदी पर काली मन्दिर से लगभग 50 मीटर आगे संकरे पुल के चौड़ीकरण हेतु कार्य योजना बनवाने के निर्देश भी लोनिवि के अभियंता को दिये। मीटिंग के दौरान अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह, कौस्तुभ मिश्रा, सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल, जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी ऊमा शंकर नेगी, अधिशासी अभियंता लोनिवि ए.कुमार, मुख्य कृषि अधिकारी डॉ.एके वर्मा, एआरटीओ पूजा नयाल आदि उपस्थित थे

कोविड -19 के एक्सबीबी संस्करण के बारे में व्हाट्सएप समूहों में प्रसारित संदेश नकली है: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कई देशों में अचानक फैले कोविड के डर के बीच, एक व्हाट्सऐप मैसेज का दौर चल रहा है, जिसमें दावा किया गया है कि ओमिक्रॉन का नया खोजा गया एक्सबीबी सबवैरिएंट पांच गुना अधिक विषैला है और डेल्टा संस्करण की तुलना में इसकी मृत्यु दर अधिक है।हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस दावे को खारिज करते हुए इस मैसेज को फर्जी बताया है. स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, ₹कोविड 19 के एक्सबीबी संस्करण के बारे में कई व्हाट्सएप समूहों में प्रसारित यह संदेश नकली और भ्रामक है।₹वायरल मैसेज में दावा किया गया है कि ₹कोविड-ओमिक्रॉन एक्सबीबी कोरोनावायरस का नया संस्करण अलग, घातक और सही तरीके से पता लगाना आसान नहीं है। नए वायरस सीओवीआईडी-ओमिक्रॉन एक्सबीबी के लक्षण हैं - कोई खांसी नहीं है और कोई बुखार नहीं है।₹वायरल मैसेज में आगे दावा किया गया है, ₹कोविड-ओमिक्रॉन एक्सबीबी डेल्टा वेरिएंट से 5 गुना ज्यादा खतरनाक है और इसकी मृत्यु दर इससे ज्यादा है।₹चीन और अन्य देशों में कोविड-19 के मामलों में

हालिया उछाल को देखते हुए, केंद्र ने राज्यों से मौजूदा और उभरते वेरिएंट को ट्रैक करने के लिए सकारात्मक मामले के नमूनों की सतर्कता और जीनोम अनुक्रमण को बढ़ाने के लिए कहा है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने भारत में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा करने और कुछ देशों में मामलों में हालिया स्पाइक के मद्देनजर वायरस की निगरानी, रोकथाम और प्रबंधन के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

उत्तराखंड में सड़क हादसों से भरा रहा ये साल 2022, तोड़े पिछले सालो के रिकॉर्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साल 2022 अभी ख़तम नहीं हुआ है लेकिन पिछले वर्षों के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए यह वर्ष 2022 उत्तराखंड में सड़क हादसों से भरा रहा। आंकड़ों के मुताबिक हर दिन तीन लोगों की मौत सड़क हादसों से हो रही है। जबकि हर दिन इन हादसों में तीन लोग घायल हो रहे हैं। पिछले पांच सालों में इस साल अधिक दुर्घटनाएं और मौतें हुई हैं।

नया साल आने वाला है, लेकिन जा रहा साल 2022 तक सड़क हादसों के लिहाज से यह साल काफी खराब रहा है। दरअसल, पिछले पांच साल में उत्तराखंड में सड़क हादसों में जान गंवाने वालों की संख्या इस साल ज्यादा है। इस साल मौतों में 20 फीसदी की बढ़ोतरी कर बहुत दर्द दिया है। उत्तराखंड में इस साल सड़क हादसों में इजाफा हुआ है।

राज्य में पिछले 5 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि साल 2018

में 1468 सड़क हादसे और 1,047 मौतें हुई थीं. वहीं, अगर साल 2019 की बात करें तो इस साल 1,352 सड़क हादसे और 867 मौतें हुईं। इसके साथ ही साल 2020 में 1,041 सड़क हादसे और 674 मौतें हुईं। साल 2021 के आंकड़ों की बात करें तो साल 2021 में 1,405 सड़क हादसे और 820 मौतें हुईं।वहीं, इस साल नवंबर 2022 तक 1516 सड़क हादसे और 1022 मौतें हुई हैं, जो पिछले सालों से ज्यादा है। हर साल जहां सड़क हादसों में कमी की बात हो रही है, लेकिन साल दर साल ये बढ़ते आंकड़े चिंता बढ़ा रहे हैं। पांच साल में राज्य में करीब 6,700 हादसे हुए और जिनमें करीब 4,400 लोगों की मौत सड़क हादसों में हुई।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की प्रगतिशील सोच के कायल हो गए है 'कन्नू' फ़िल्म के डायरेक्टर संजय सनवाल

धामी की नई फ़िल्म पॉलिसी को लेकर काफी आशान्वित है फिल्मकार

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- 'कन्नू' फ़िल्म कोविड काल की एक सच्ची कहानी का मार्मिक फिल्मांकन है
- उत्तराखंडी लेखक और निर्देशक संजय सनवाल की बड़ी उपलब्धि है कन्नू

कन्नू यह फिल्म संजय सनवाल द्वारा लिखी और निर्देशित है संजय सनवाल जो नैनीताल निवासी हैं पिछले 20 वर्षों से मुंबई में फिल्म लेखन, फिल्म डायरेक्शन व प्रोडक्शन का काम कर रहे है। अब तक लगभग 30 से भी ज्यादा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में अवार्ड प्राप्त कर चुके हैं। जिसके लिए महाराष्ट्र के गवर्नर महामहिम भगत सिंह कोश्यारी व प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी सम्मानित किया है।

'कन्नू' फ़िल्म कोविड काल की एक सच्ची कहानी का मार्मिक फिल्मांकन है

इस उपलब्धि के बाद संजय सनवाल की फिल्म को कांस फिल्म फेस्टिवल से अपनी फिल्मों को उसके फेस्टिवल में भेजने का आमंत्रण प्राप्त हुआ। जिसके फलस्वरूप एक सामाजिक मुद्दे चाइल्ड लेबर (बाल श्रमिक) पर वह इस फिल्म कन्नु का निर्माण निर्देशन व लेखन कर रहे हैं जिसकी शूटिंग नैनीताल के कई लोकेशन में संपन्न हुई है।

कन्नू की कहानी एक ऐसे बालक की है जो जंगल में एक पिकनिक स्पॉट में एक ढावे में नौकरी कर अपना व अपनी बीमार दादी का पेट पाल रहा है जो मृत्यु शैया में है। किंतु पहले प्राकृतिक आपदा में अपने मां बाप को खो चुका है और अब अपनी बीमार दादी को नहीं खोना चाहता। जिसके लिए वो पूरी जी-जान से मेहनत कर रहा है, ताकि वो अपनी दादी का बड़े शहर में जाकर इलाज करा सके और अपनी बीमार दादी का इलाज कर सके और उसकी जान बचा सके। एक दिन एक रईस बाप अपने बच्चों के साथ उस चोटी में घूमने जाता है, कन्नू की दयनीय स्थिति को देख उसका मन भर आता है और वह कन्नू को पढ़ाने व उसकी दादी का इलाज का बीड़ा उठाता है।

इस फिल्म की शूटिंग नैनीताल के कई लोकेशन में फिल्माई गई, जिसमें सेंट जोसेफ कॉलेज भी है एक लोकेशन है, संजय सनवाल का कहना है कि वे प्रिंसिपल सेंट जोजफ कॉलेज के बहुत आभारी हैं जिन्होंने दो लाख प्रति दिन वाली लोकेशन सामाजिक संदेश के दृष्टिगत इस फिल्म के लिए निशुल्क प्रदान की गई है। वही उसका कहना है कि वह हैरान हो गए जब सहयोग अपेक्षित नैनीताल नगर पालिका नैनीताल के एक आला अधिकारी ने 20 सेकंड की शूटिंग के लिए ₹10000 रु में एक लोकेशन के चार्ज बताएं, जिससे वह बहुत निराश है। संजय सनवाल ने इस फिल्म के लिए राही वेलवेडियर होटल, सैलू शाह शीला होटल, सिटी हार्ट होटल, कानू दा, मैपल होटल, पाठक जी टंकी बैंड, नैनीताल, विशेष आभार डीएफओ, वन विभाग नैनीताल एवं उत्तराखंड सरकार और नैनीताल निवासी कला प्रेमियों का आभार जताया, जिन्होंने अपनी प्रॉपर्टी लोकेशन के लिए निशुल्क प्रदान की, वही दिल्ली की इंग्लिश लेक्चरर किरण मिश्रा का आभार व्यक्त किया जिन्होंने अंग्रेजी ट्रांसलेशन किया। इस फिल्म में नैनीताल के ख्याति मंच नाट्यकर्मी प्राप्त राजेश आर्य जी, अनिल घिल्डियाल जी, बलविंदर कौर जी, प्रीतिका तिवारी, कोमल मेहरा व एल पी एस पब्लिक स्कूल, नैनीताल, सेंट मेरिज और सेंट जोजन कॉलेज, नैनीताल के बच्चों ने मुख्य भूमिका निभाई है।

फिल्म के प्रोडक्शन मैनेजर विजय किरोला, लाईन प्रोड्यूसर गौरव सी०एस बब्बी, प्रोडक्शन एग्जीक्यूटिव देवाल चमोली की राजेंद्र बिष्ट व अन्य लोकल कलाकारों का योगदान रहा।

टेक्नीशियन के दिल्ली और मुंबई से है जिसमें डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी कुलदीप रावत, ड्रोन कैमरा राजेंद्र बिष्ट, स्टील फोटोग्राफर हल्दवानी के समय राज शाह, म्यूजिक विदित तंवर, क्रिएटिव सहयोग व पंच लाइन राइटर मुंबई के अमर ठाकुर का विशेष योगदान है, इस फिल्म को प्रोड्यूस चंडीगढ़ की हेमा शर्मा ने किया है और यह फिल्म उन्होंने अपनी बहन को समर्पित की है जिसे उन्होंने कॉविड के दौरान खो दिया था।

इस फिल्म के लिए संजय सनवाल ने मार्केटिंग स्टेजी में ये बताया है कि फिल्म के प्रोड्यूसर फिल्म की कांस फिल्म फेस्टिवल में नॉमिनेट होने का इंतजार कर रहे हैं, जिनकी उनको पूर्ण आशा है, उसके बाद दुनिया भर में फिल्म की बिक्री शुरू कर देंगे, जिसके लिए उनके पास कुछ एजेंसी मौजूद है बाकि विदेशों में भी फिल्म के वितरक की तलाश जारी है